



Pawan Kumar

15 Jan 1976

01:40 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121199605

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 14-15/01/1976
दिन _____: बुध-गुरुवार
जन्म समय _____: 01:40:00 घंटे
इष्ट _____: 45:43:15 घटी
स्थान _____: Bilaspur
राज्य _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 31:18:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:17:12 घंटे
वेलान्तर _____: -00:08:46 घंटे
साम्पातिक काल _____: 08:50:54 घंटे
सूर्योदय _____: 07:22:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:40:39 घंटे
दिनमान _____: 10:17:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 00:16:16 मकर
लग्न के अंश _____: 13:00:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण _____: मृगशिरा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: ब्रह्म
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: सर्प
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

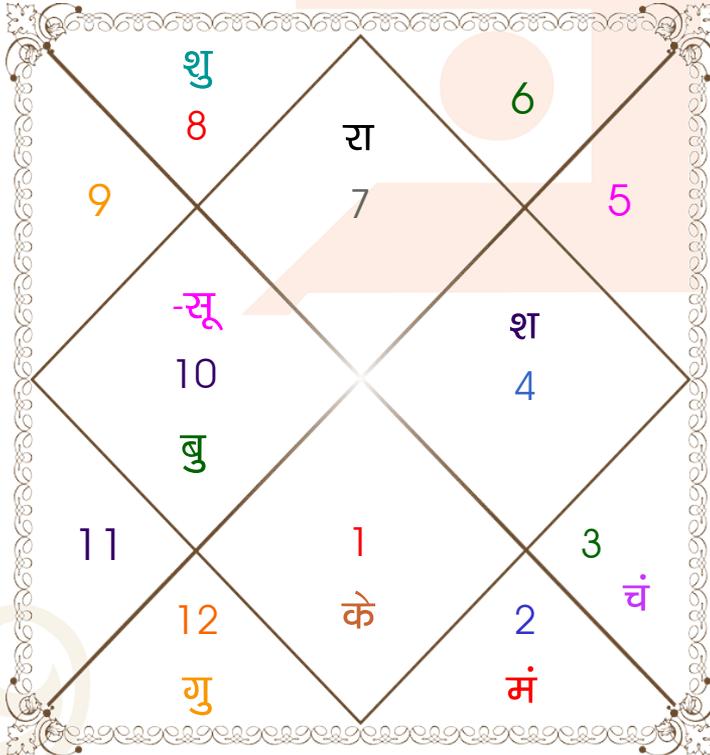
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		तुला	13:00:29	304:16:05	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य		मक	00:16:16	01:01:06	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र		मिथु	00:28:18	13:12:03	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल	व	वृष	21:26:34	00:04:46	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध	व	मक	15:44:38	00:06:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु		मीन	23:17:53	00:06:47	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	स्वराशि
शुक्र		वृश्चि	22:34:00	01:12:49	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
शनि	व	कर्क	06:27:01	00:04:54	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व	तुला	26:16:52	00:06:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व	मेष	26:16:52	00:06:01	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
हर्ष		तुला	13:16:43	00:01:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप		वृश्चि	19:27:02	00:01:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व	कन्या	18:11:04	00:00:01	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव		कर्क	16:45:12	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

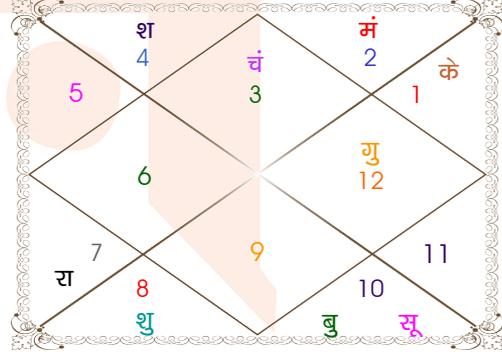
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:34

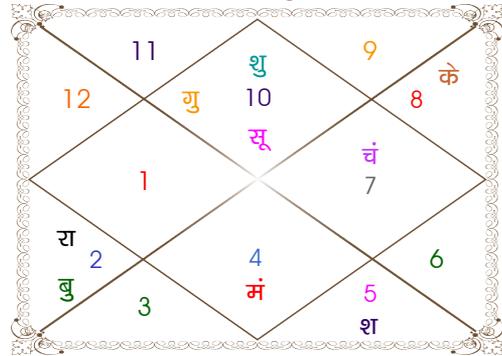
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
15/01/1976	17/04/1979	16/04/1997	16/04/2013	16/04/2032
17/04/1979	16/04/1997	16/04/2013	16/04/2032	16/04/2049
00/00/0000	राहु 28/12/1981	गुरु 04/06/1999	शनि 19/04/2016	बुध 12/09/2034
00/00/0000	गुरु 22/05/1984	शनि 16/12/2001	बुध 28/12/2018	केतु 10/09/2035
00/00/0000	शनि 29/03/1987	बुध 22/03/2004	केतु 06/02/2020	शुक्र 10/07/2038
15/01/1976	बुध 16/10/1989	केतु 26/02/2005	शुक्र 07/04/2023	सूर्य 17/05/2039
बुध 12/10/1976	केतु 03/11/1990	शुक्र 28/10/2007	सूर्य 19/03/2024	चंद्र 15/10/2040
केतु 10/03/1977	शुक्र 03/11/1993	सूर्य 16/08/2008	चंद्र 19/10/2025	मंगल 13/10/2041
शुक्र 11/05/1978	सूर्य 28/09/1994	चंद्र 16/12/2009	मंगल 28/11/2026	राहु 01/05/2044
सूर्य 15/09/1978	चंद्र 29/03/1996	मंगल 21/11/2010	राहु 03/10/2029	गुरु 07/08/2046
चंद्र 17/04/1979	मंगल 16/04/1997	राहु 16/04/2013	गुरु 16/04/2032	शनि 16/04/2049

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
16/04/2049	16/04/2056	16/04/2076	16/04/2082	16/04/2092
16/04/2056	16/04/2076	16/04/2082	16/04/2092	00/00/0000
केतु 12/09/2049	शुक्र 16/08/2059	सूर्य 03/08/2076	चंद्र 15/02/2083	मंगल 12/09/2092
शुक्र 12/11/2050	सूर्य 16/08/2060	चंद्र 02/02/2077	मंगल 16/09/2083	राहु 30/09/2093
सूर्य 20/03/2051	चंद्र 16/04/2062	मंगल 10/06/2077	राहु 17/03/2085	गुरु 06/09/2094
चंद्र 19/10/2051	मंगल 16/06/2063	राहु 05/05/2078	गुरु 17/07/2086	शनि 16/10/2095
मंगल 16/03/2052	राहु 16/06/2066	गुरु 21/02/2079	शनि 15/02/2088	बुध 15/01/2096
राहु 04/04/2053	गुरु 14/02/2069	शनि 03/02/2080	बुध 16/07/2089	00/00/0000
गुरु 11/03/2054	शनि 16/04/2072	बुध 09/12/2080	केतु 14/02/2090	00/00/0000
शनि 20/04/2055	बुध 15/02/2075	केतु 16/04/2081	शुक्र 16/10/2091	00/00/0000
बुध 16/04/2056	केतु 16/04/2076	शुक्र 16/04/2082	सूर्य 16/04/2092	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता है।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्त्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकजिमा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।